



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8]
No. 8]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 25, 1984/फाल्गुन 6, 1905
NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 25, 1984/PHALGUNA 6, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

अन्तरिक्ष विभाग

(इसरो उपग्रह केन्द्र)

बंगलौर, 6 अक्तूबर, 1983

आ० अ० 20.—यन इसरो उपग्रह केन्द्र, पीन्या औद्योगिक क्षेत्र, बंगलौर -560058 के सुरक्षा गार्ड श्री के० कृष्ण दिवान को निजी कारणों के आधार पर दिनांक 7-2-83 से 16-2-83 तक 10 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई थी; और यतः छुट्टियों की समाप्ति के बाद कर्मचारी ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुआ और अनधिकृत रूप में अनुपस्थित रहा; और यतः उसे ड्यूटी पर उपस्थित होने का निर्देश देते हुए इस कार्यालय ने 19-2-83 को एक तार भेजा; और यतः इसके प्रत्युत्तर में श्री के० कृष्ण दिवान ने बीमारी के आधार पर छुट्टी बढ़ाने का अनुरोध करते हुए दिनांक 23-2-83 को एक तार भेजा, जिसके बाद उसने बिचिन्सा प्रमाणपत्र लगाते हुए किसी प्रकार का आवेदन-पत्र नहीं भेजा था और उसे छुट्टी मंजूर नहीं की गई थी, जिसकी सूचना उसे इस कार्यालय के ज्ञापन सं० 020/1 (006)/83(1267) दिनांक 2-3-83 द्वारा दी गई थी

तथा उसको दिनांक 17-2-83 से ड्यूटी में अनधिकृत रूप में उसकी अनुपस्थिति के लिए स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया था; और यतः उक्त जापन उसके छुट्टी के पते 'कृष्णा निवास, पुलुपल्ली ग्राम, ओटापालम (थाना) जिला पालघाट, केरल' पर भेजा गया था, जिसे डाक और तार प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए, "कोई पता मालूम नहीं" की टिप्पणी अंकित करके वापस कर दिया था; और यतः उक्त कार्रवाई से उक्त श्री के० कृष्ण दिवान कर्तव्यपालन के प्रति पूर्ण निष्ठान् बनाए रखने में असफल रहा और केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3(1) (ii) और (iii) तथा केन्द्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियम, 1972 के नियम 25(2) के उल्लंघन में एक सरकारी कर्मचारी के न करने योग्य कार्य किया, और यतः अधोहस्ताक्षरी इस निर्णय पर पढ़ा कि श्री के० कृष्ण दिवान, सुरक्षा गार्ड के विरुद्ध अन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और प्रवील) नियम, 1976 के नियम II के अन्तर्गत जांच की जानी चाहिए और इस कार्यालय के ज्ञापन सं० 020/1(006)/83(1267) दिनांक 13-5-83 द्वारा कर्मचारी के विरुद्ध आरोपों के अनुच्छेदों का विवरण तैयार किया गया तथा इस कार्यालय के आदेश सं० 441/83 दिनांक 21-6-83 द्वारा एक जांच अधिकारी

की भी नियुक्ति की गई; और यतः जांच अधिकारी ने अपने ज्ञापन सं० 020/1(006)/83 दिनांक जुलाई, 29, 83 द्वारा श्री के० कृष्ण दिवान को दिनांक 12-8-83 को अपने सम्मुख पेश होने का निर्देश दिया; और यतः उक्त पत्राचार कर्मचारी को पंजीकृत रसीदी डाक द्वारा भेजे गए थे, जो डाक और तार विभाग द्वारा "पाने वाला स्थान पर नहीं" "पता ज्ञात नहीं" इत्यादि टिप्पणियाँ अंकित कर के वापस कर दिए गए; और यतः जांच अधिकारी ने अन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1976 के नियम 11 के अन्तर्गत दिनांक 31-8-83 को एक पक्षीय जांच कार्यवाही की तथा इस निर्णय पर पहुंचा कि कर्मचारी के विरुद्ध लगाए गए आरोप सही प्रमाणित हुए हैं;

अतः अब अन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 के नियम 12(4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री के० कृष्ण दिवान को सेवा से इस आदेश के सरकारी राजपत्र अथवा समाचार-पत्रों में प्रकाशन की तिथि से पदच्युत करता है।

[सं० 020/1(006)/83(1267)]

DEPARTMENT OF SPACE

(Isro Satellite Centre)

Bangalore, the 6th October, 1983

O.N. 20.—Whereas Shri Krishan Devan Security Guard, ISRO Satellite Centre, Peenya Industrial Estate, Bangalore 560058 was sanctioned Earned Leave for 10 days from 7-2-83 to 16-2-83 on private grounds;

And whereas on the expiry of the leave the official did not rejoin duty and remained absent unauthorisedly;

And whereas a telegram asking him to resume duty was sent by this office on 19-2-83;

And whereas in reply to this Shri K. Krishna Devan sent a telegram dt. 23-2-83 requesting for extension of leave on medical grounds which was not followed by any application supported by medical certificate and the leave was not sanctioned which was communicated vide this Office Memorandum No. 020/(006)/83(1267) dt. 2-3-83 and he was asked to give explanation for his unauthorised absence from duty from 17-2-83;

And whereas the said Memorandum was sent to his leave address, "Krishna Nivas, Pulupally Village, Ottappalam (Thana) Palghat Dist, Kerala" which was returned by the P&T authorities undelivered with the remarks "Whereabouts not known";

And whereas with the above action the said Shri K. Krishna Devan has failed to maintain absolute devotion to duty and acted in a manner unbecoming of a Govt. servant in contravention of rule 3(1) (ii) and (iii) of Central Civil Service (Conduct) Rules, 1964 and Rule 25(2) of Central Civil Service (Leave) Rules 1972;

And whereas the undersigned came to the conclusion that an inquiry under rule 11 of Dept. of Space Employees (Classification, Central and Appeal) Rules, 1976 should be held against Shri K. Krishna Devan Security Guard and a statement of articles of charge was framed against the

official vide this Office Memorandum No. 020/1(006)/83 (1267) dt. 13-5-83 and an Inquiry Officer was also appointed vide this office order No. 441/83 dt. 21-6-83;

And whereas the Inquiry Officer vide his Memorandum No. 020/1(006)/83 dt. July, 29, '83 directed the said Shri K. Krishna Devan to appear before him on 12-8-83;

And whereas all the said communications which were sent to the official by registered post were returned by the P&T authorities undelivered with the remarks "addressee not in place", "address not known" etc.;

And whereas Inquiry Officer conducted inquiry proceedings under rule 11 of the Department of Space Employees (Classification, Control and Appeal) Rules 1976 on 31-8-83 ex-parte and has come to the conclusion that charges framed against the official stand proved;

Now therefore, in exercise of powers conferred by the rule 12(4) of Department of Space Employees (Classification Control and Appeal) Rules, 1976, the undersigned removes the said Shri K. Krishna Devan from service with effect from the date of publication of this order in the official Gazette or in the newspapers,

[No. 020/1(006)/83(1267)]

बंगलौर, 20 अक्तूबर, 1983

ज्ञापन

आ० अ० 21—अधोहस्ताक्षरी अन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 के नियम II के अन्तर्गत इसरो उपग्रह केन्द्र के हल्के वाहन चालक (एल० वी० डी०) श्री मायूद के विरुद्ध जांच करने का प्रस्ताव करता है। कदाचार अथवा दुराचार के जिन आरोपों के संबंध में जांच करने का प्रस्ताव है वे आरोपों के अनुच्छेद के संलग्न विवरण में दिए गए हैं। आरोप के प्रत्येक अनुच्छेद के समर्थन में कदाचार अथवा दुराचार के आरोपों का विवरण संलग्न है। उन दस्तावेजों की सूची, जिनके द्वारा और गवाहों की सूची, जिनके द्वारा आरोप के अनुच्छेदों को प्रमाणित करने का प्रस्ताव है, वे भी संलग्न हैं।

2. इसरो उपग्रह केन्द्र के श्री मायूद, पी० वी० डी० को निर्देश दिया जाता है कि वह इस ज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 10 (दस) दिनों के भीतर अपनी सफाई में वक्तव्य प्रस्तुत करें तथा यह भी बताएं कि क्या वह स्वयं प्रस्तुत होकर कुछ कहना चाहता है।

3. उसे सूचित किया जाता है कि जांच केवल आरोप के उन अनुच्छेदों के संबंध में ही की जायगी, जो उसे स्वीकार नहीं है। अतः उसे स्पष्ट रूप में प्रत्येक आरोप के अनुच्छेद को स्वीकार अथवा अस्वीकार करना चाहिये।

4. श्री मायूद, एल० वी० डी०, आह्वजक को यह भी बताया जाता है कि यदि वह उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट तिथि को अथवा इससे पहले अपनी सफाई में लिखित वक्तव्य

प्रस्तुत नहीं करता है अथवा जांच प्राधिकारी के सम्मुख स्वयं उपस्थित नहीं होता है अथवा अन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 के नियम II के प्रावधानों अथवा उक्त नियम के अनुपालन में जारी आदेशों/निर्देशनों का पालन करने में असफल रहता है अथवा इनके पालन से इन्कार करता है, तो जांच प्राधिकारी उसके विरुद्ध इकतरफा जांच कर सकता है।

5. श्री मायूद, एल० वी० डी० आइजेक का ध्यान केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 20 पर दिलाया जाता है, जिसके अन्तर्गत कोई भी सरकारी कर्मचारी सरकार के अन्तर्गत अपनी सेवा में संबंधित मामलों के हितों को बढ़ाने के सबंध में किसी भी वरिष्ठ प्राधिकारी पर किसी भी प्रकार का राजनैतिक अथवा बाहरी प्रभाव डालने का अथवा लाने का प्रयास नहीं करेगा। इन कार्यवाहियों के अन्तर्गत किए जा रहे किसी भी मामले के संबंध में किसी अन्य व्यक्ति से उसकी ओर से यदि कोई अभ्यावेदन प्राप्त होता है तो यह समझा जायेगा कि श्री मायूद एल० वी० डी०, आइजेक को ऐसे अभ्यावेदन की जानकारी है और यह उसके मकेत पर किया गया है तथा उसके विरुद्ध केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 20 के उल्लंघन के लिए कार्रवाई की जायेगी।

[सं० 020/9/21/83-स्थापना]

एस० रामकृष्णन, नियंत्रक

अनुबन्ध-I

आरोपों के अनुच्छेदों का विवरण

अनुच्छेद-I

इसरो उपग्रह केन्द्र में इनके वाहन चालक (एल० वी० डी०) के रूप में कार्य करने हुए श्री मायूद बिना पूर्व अनुमति के दिनांक 27-6-1983 से आज तक इयूटी से अनुपस्थित रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप वह इयूटी के प्रति निष्ठा बनाए रखने में असफल रहे हैं तथा उन्होंने केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3 (1) (i) तथा (iii) का उल्लंघन करने हुए एक सरकारी कर्मचारी के न करने योग्य कार्य किया है।

अनुच्छेद-II

श्री मायूद, एल० वी० डी०, उपर्युक्त कार्यालय में कार्य करते हुए, अपने वरिष्ठ अधिकारियों की पूर्व अनुमति के बिना भारत में बाहर चले गये, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3 (1) (iii) का उल्लंघन करने हुए एक सरकारी कर्मचारी के न करने योग्य कार्य किया है।

अनुबन्ध-II

श्री मायूद, एल० वी० डी० के विरुद्ध लगाए गए आरोपों के अनुच्छेदों के समर्थन में कदाचार अथवा दुर्गचार के आरोपों का विवरण।

अनुच्छेद-I

श्री मायूद, एल० वी० डी०, ने बीमारी की सूचना दी और 27-6-1983 से चिकित्सा अवकाश देने का अनुरोध किया तथा डाक द्वारा दिनांक 27-6-1983 को छुट्टी की अर्जी भेजी, जिसमें न तो छुट्टी की अवधि बताई गई थी और न ही उसके साथ चिकित्सा प्रमाण-पत्र संलग्न किया गया था। तदनुपरान्त उसने दिनांक 2-8-1983 को अन्य पत्र भेजा, जिसमें कहा गया था कि वह अभी भी बीमार है और यह वचन दिया था कि इयूटी पर हाजिर होने के समय वह चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा। इसके परिणामस्वरूप अधिकारी को, इस कार्यालय के जापन सं० 20/1 (0005)/83/(851) दिनांक 20-8-1983 द्वारा चिकित्सा मत रिकार्ड करने के लिए राजाजी नगर औपधालय के चिकित्सा अधिकारी के सामने पेश होने का आदेश दिया गया और उक्त पत्र पंजीकृत रमिदी डाक द्वारा उसके निवास स्थान के पते "36, खालूरपालम, मागडी रोड, बंगलौर" भेजा गया, जिसके बाद इसी प्रयोजन के लिए दिनांक 22-8-1983 को एक तार भी भेजा गया। पंजीकृत पत्र अवितरित रूप में "विदेश गया" अंकित टिप्पणी सहित इस कार्यालय में वापस आ गया। उपर्युक्त तथ्य से स्पष्ट है कि श्री मायूद वास्तव में बीमार नहीं है तथा उनकी अनुपस्थिति अनधिकृत है। तदनन्तर, इस कार्यालय के जापन सं० 020/1 (005)/83 (581) दिनांक 12-9-1983 द्वारा अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया था और यह पत्र भी डाक और तार विभाग के प्राधिकारियों द्वारा "पाने वाला नहीं मिला" अंकित टिप्पणी सहित अवितरित वापस कर दिया गया। उपर्युक्त कार्रवाई से अधिकारी इयूटी के प्रति निष्ठा रखने में असफल रहा है और उसने केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3 (i) (ii) तथा (iii) का उल्लंघन करने हुए एक सरकारी कर्मचारी के न करने योग्य कार्य किया है।

अनुच्छेद-II

श्री मायूद, एल० वी० डी० ने दिनांक 27-6-1983 से बीमार होने की सूचना दी और उसी आधार पर इयूटी में स्वयं अनुपस्थित हो गए। चूंकि उन्होंने अपेक्षित चिकित्सा प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया था, उन्हें इस कार्यालय के पत्र सं० 020/1 (005)/83/(851) दिनांक 20-8-1983 द्वारा चिकित्सा अधिकारी, राजाजी नगर के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। लेकिन उक्त पत्र डाक और तार विभाग के प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए "विदेश गया" कि टिप्पणी के साथ वापस कर दिया। अतः यह स्पष्ट है कि श्री मायूद वास्तव में बीमार नहीं है तथा वह उपर्युक्त अनुमति अथवा छुट्टी के बिना भारत में बाहर चला गया है। उपर्युक्त कार्रवाई से अधिकारी इयूटी के प्रति निष्ठा बनाए रखने में असफल रहा है और उसने केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के

नियम 3 (1) (ii) और (iii) के उल्लंघन में सरकारी कर्मचारियों के न करने योग्य कार्य किया है।

अनुबन्ध—III

उन दस्तावेजों की सूची, जिनके द्वारा श्री मायूद, एल. वी. डी. के विरुद्ध लगाए गए आरोप के अनुच्छेदों को प्रमाणित करने का प्रस्ताव है।

1. नोट सं० आइजेक/टी० पी० टी०/83/5 दिनांक 22-7-1983
2. ज्ञापन सं० 020/1 (005)/83 (581) दिनांक 9-8-1983
3. पत्र सं० आइजेक/एम० ई० डी०/83 दिनांक 17-8-1983
4. ज्ञापन सं० 020/1 (005)/83 (851) दिनांक 20-8-1983
5. तार दिनांक 22-8-1983
6. पत्र दिनांक 5-9-1983 (चिकित्सा अधिकारी से)
7. नोट सं० आइजेक/टी० पी० टी०/583 दिनांक 12-8-1983
8. ज्ञापन सं० 020/1 (0050)/83 (881) दिनांक 12-9-1983
9. डाक लिफाफा दिनांक 31-8-1983
10. डाक लिफाफा सं० 590 दिनांक 11-9-1983

अनुबन्ध—IV

उन गवाहों की सूची, जिनके द्वारा श्री मायूद के विरुद्ध लगाए गए आरोप के अनुच्छेदों को प्रमाणित करने का प्रस्ताव है।

1. श्री सी० बी० एम० राव,
प्रधान, परिवहन
इसरो उपग्रह केन्द्र
2. डॉ० के० कनक राव
चिकित्सा अधिकारी,
इसरो उपग्रह केन्द्र

Bangalore, the 20th October, 1983

MEMORANDUM

O.N. 21.—The undersigned proposes to hold an enquiry against Shri Mayood, L.V.D., ISAC under Rule 11 of the Department of Space Employees (CCA) Rules, 1976. The substance of the imputations of misconduct or misbehaviour in respect of which the enquiry is proposed to be held is set out in the enclosed statement of Articles of Charge. A statement of the imputations of misconduct or misbehaviour in support of each Article of Charge is enclosed. A list of documents by which, and a list of witnesses by whom, the Articles of Charge are proposed to be sustained are also enclosed.

2. Shri Mayood, L.V.D., ISAC is directed to submit within 10 (Ten) days of the date of publication of this Memorandum a statement of his defence and also to state whether he desires to be heard in person.

3. He is informed that an enquiry will be held only in respect of those Articles of Charge as are not admitted. He should, therefore, specifically admit or deny each Article of Charge.

4. Shri Mayood, L.V.D. ISAC is further informed that if he does not submit his written statement of defence on or before the date specified in para 2 above, or does not appear in person before the enquiring Authority or otherwise fails or refuses to comply with the provisions of Rule 11 of the Department of Space Employees (CCA) Rules, 1976, or the Orders/Directions issued in pursuance of the said Rule, the enquiring Authority may hold the enquiry against him ex-parte.

5. Attention of Shri Mayood, L.V.D., ISAC is invited to rule 20 of the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, under which no Government servant shall bring or attempt to bring any political or outside influence to bear upon any superior authority to further his interest in respect of matters pertaining to his service under the Government. If any representation is received on his behalf from another person in respect of any matter dealt within these proceedings it will be presumed that Shri Mayood, L.V.D., ISAC is aware of such a representation and that it has been made at his instance and action will be taken against him for violation of Rule 20 of the CCS (Conduct) Rules, 1964.

[No. 020/9(21)/83-Estt.]

S. RAMAKRISHNAN, Controller,

ANNEXURE-I

STATEMENT OF ARTICLES OF CHARGES

ARTICLE-I

That Shri Mayood, while functioning as Light Vehicle Driver in ISAC absented himself from duty without prior permission from 27-6-1983 till date, whereby he has failed to maintain devotion to duty, and acted in a manner unbecoming of a Government servant contravening Rule 3 (1) (i) & (iii) of Central Civil Service (Conduct) Rules, 1964.

ARTICLE-II

That the said Shri Mayood, L.V.D., while functioning in the aforesaid office left India without prior permission of his superiors, whereby he has acted in a manner unbecoming of a Government servant contravening Rule 3 (1) (iii) of Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964.

ANNEXURE II

Statement of Imputation of Misconduct or Misbehaviour in Support of Articles of Charges framed against Shri Mayood L.V.D.

ARTICLE-I

Shri Mayood, L.V.D., reported sick and requested for Medical Leave from 27-6-1983 and sent the leave application dated 27-6-1983 by post, without enclosing the Medical Certificate and without indicating the period. Subsequently he sent another letter dated 2-8-1983 stating that he was still sick and promising that Medical Certificate will be produced at the time of rejoining duty. Consequently the officer was ordered to appear before the Medical Officer, Rajaji Nagar dispensary for record Medical opinion vide this office Memoandum No. 20/1(0005)/83/(851) dated 20-8-1983 and the letter under registered post was sent to his residential address "36, Chahurpalam, Magadi Road, Bangalore" followed by telegram dated 22-8-1983 for the same

purpose. The registered letter was returned to this office undelivered by the remarks 'gone to foreign'. It is clear from the above fact that Shri Mayood is not really sick and his absence is unauthorised. Subsequently his explanation for unauthorised absence was called for vide this office Memorandum No. 020/1(005)/83(581) dated 12-9-1983 and the same letter also was returned by the P&T authorities undelivered with remarks 'addressee not found'. With the above acts the officer failed to maintain devotion to duty and acted in a manner unbecoming of a Government servant in violation of 3(1) (ii) & (iii) of Central Civil Services (Conduct) Rule, 1964.

ARTICLE-II

Shri. Mayood, L.V.D., reported sick from 27-6-1983 and absented himself from duty on the same grounds. Since he has not produced the required Medical Certificate, he was asked to appear before Medical Officer, Rajajinagar vide this office letter No. 020/1(005)/83(851) dated 20-8-1983. However the letter was returned by the P&T Authorities undelivered with remarks "gone to Foreign". Therefore, it is clear that Shri Mayood is not really sick and left India without proper permission or leave. With the above act, the officer has failed to maintain devotion to duty and acted in a manner unbecoming of a Government servant in violation of Rules 3(1) (ii) & (iii) of Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964.

ANNEXURE III

List of Documents by which the Article of charge Framed against Shri Mayood, L.V.D. are proposed to be sustained.

1. Note No. ISAC/TPT/83/5 Dated 22-7-1983.

2. Memorandum No. 020/1(005)/83(581) Dated 9-8-1983.
3. Letter No. ISAC/MFD/83 Dated 17-8-1983.
4. Memorandum No. 020/1(005)/83(851) Dated 20-8-1983
5. Telegram Dated 22-8-1983.
6. Letter dated 5-9-1983 (from Medical Officer).
7. Note No. ISAC/TPT/5/83 Dated 12-8-1983.
8. Memorandum No. 020/1(0050)/83(581) Dated 12-9-1983.
9. Postal Cover dt. 31-8-1983.
10. Postal Cover No. 590 dated 11-9-1983.

ANNEXURE-IV

List of witnesses by whom the Articles of charges framed against Shri. Mayood are proposed to be sustained.

1. Shri C.V.S. Rao,
Head, Transport,
ISAC.
2. Dr. K. Kanaka Rao,
Medical Officer,
ISAC.

